

# आयलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

## आदेश पत्रक

पक्ष

बनाम

शंकर मंडल प्रथम पक्ष

शंकर मंडल द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० ..... से ..... तक

जिला गिरिडीह।


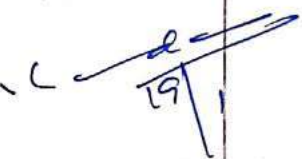
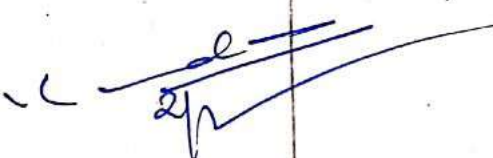

विविध वाद संख्या ..... 151 ..... सन् 2021

धारा

144 द० प्र० स०

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>आवेदक शंकर मंडल पिता स्व० भातु मंडल साकिन - बलियारी, थाना + अंचल सरिया, जिला गिरिडीह द्वारा द० प्र० स० कि धारा - 144 के अन्तर्गत विवादित भूमि मौजा - चिताखारो, थाना - बिरनी के अन्तर्गत</p> <p>खाता नं० - 23/56 प्लॉट नं० - 680/421 रकवा 11 एकड़, चौहदी: उ० - पुनवा सुण्डी वगैरह</p> <p>द० - चान्दो भुईयाँ</p> <p>पू० - सीमाना उल्लीबार</p> <p>पं० - लालो सुण्डी</p> <p>मैं भू-विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु आवेदन दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जाँच/मंतव्य अंचल अधिकारी सरिया थाना प्रभारी सरिया से मांगे।</p> <p>अभिलेख दिनांक ..... 15/12/21 ..... को उपस्थापित करें।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित</p> <p>अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर - सरिया</p> <p>अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर - सरिया</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख उपस्थापित। थाना प्रभासी/अंचल अधिकारी <del>...</del> के ज्ञापांक सं० <del>...</del> दिनांक <del>...</del> के द्वारा समर्पित किया गया जॉब प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद मैं संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं टकराव के लिए तत्पर हैं। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।</p> <p>इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द० प्र० सं० के अंतर्गत कार्यवाई प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोक जाता है। साथ ही उभय पक्षों से दिनांक <del>...</del> को कारणपृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पूष्ट किया जाय।</p> <p>अभिलेख दिनांक <del>...</del> को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित।</p> <p><del>अनुमंडल दफ्तराधिकारी</del> बगोदर-सरिया</p> <p><del>अनुमंडल दफ्तराधिकारी</del> बगोदर-सरिया</p>	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<u>05/1/23</u>	भारत सरकार उपरकायित। उच्च पदाधिकारी अभिलेख 18-01-2023 को ररवे 	
<u>19/1/23</u>	उच्च पदाधिकारी उपरिलेख दिनांक पर कारवाई के लिए हेतु दिनांक - 2/2/23 को ररवे। 	
<u>2/2/23</u>	प्रथम पदाधिकारी उपर। द्वितीय पदाधिकारी कालान कारि। प्रथम पदाधिकारी के द्वारा प्रति उत्तर कारिलेख। दिनांक 9/2/23 को ररवे। 	
<u>9-2-23</u>	प्रथम पदाधिकारी कालान कारि। द्वितीय पदाधिकारी उपरी भारत सरकार दिनांक 16-2-23 को ररवे	
<u>16-2-23</u>	प्रथम पदाधिकारी कालान कारि। द्वितीय पदाधिकारी उपरी आदेश हेतु दिनांक 17/2/23 को ररवे। 	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
17/2/23	<p>आदेश हेतु अभिलेख उपलब्ध है।</p> <p>पुश्नागन बाद प्रथम पक्ष ने माँगा बलिघारी घाना - सरिया में स्थित खाना - 23/56 एमए - 680/421 रकबा - 11 ई. की भूमि पर लाया है। उभय पक्ष पुश्नागन भूमि को मूल पूर्व समीक्षार से प्राप्त हुस्मनामा के आधार पर दावा करने हैं। साथ ही उभय पक्ष की जमाबंदी भी अंचल कार्यालय में दाखल है।</p> <p>उभय पक्ष के बीच उपलिखित में पूर्व में भी नापी कर विवाद का निहयादन अंचल अधिकारी के आदेश पर अंचल अमीन द्वारा किया गया था। इस आशय का प्रतिवेदन की प्रति डिप्टी पक्ष के द्वारा दारिकला किया गया है। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2019 में भूमि को चिह्नित कर डिप्टी पक्ष को उपलब्ध (दरबल) करा दिया गया था। प्रथम पक्ष उक्त नापी के समय उपलिखित है।</p> <p>चूंकि उभय पक्ष गैर निबंधित हुस्मनामा</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>के आधार पर दावा कर रहे हैं तथा उक्त हुक्मनामा का सत्यापन इस बाद में नहीं किया जा सकता है। अतः अंचल अमीन की जारी प्रतिवेदन के आधार पर नियमन को प्रथम पक्ष के विरुद्ध निरपेक्ष तथा द्वितीय पक्ष के हित में रिकॉर्ड को बिन किया जाता है।</p> <p>उक्त आदेश द.प्र.स. की धारा-144(प) के तहत परिचालित होगा।</p> <p>वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p> <p>२- [Signature]</p>	